Date
16/05/2020

TEACHING OF MATHEMATICS

Topic- सरलीकरण

D.El.Ed. IInd Sem

Period- IIIrd

बीजगणित के संकेत ⇒

1⇒ संख्यासूचक गुणांक ⇒

किसी भी बीज में किसी अंक का गुणा करने से उसका मान उतना गुना बढ़ जाता है।

जैसे $2a = 2 \times a$

$12x = 12 \times x$

दो प्रकार के बीजगणित बीज होते है -

(1) सजातीय बीज में एक से अक्षर होते है -

जैसे $2b$, $3b$, $5b$, आदि

(2) विजातीय बीज में असमान अक्षर होते है -

जैसे - $3a$, $2x$, $5z$ आदि

2 ⇒ क्रियासूचक संकेत ⇒

मूलभूत क्रियाओं में जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग के लिये निम्न संकेतों का प्रयोग करते है।

जोड़ (+), घटाना (-), गुणा (×), भाग (÷) आदि

3 ⇒ सम्बन्धसूचक संकेत ⇒

जब दो संख्याएँ परस्पर बराबर हो तो = चिन्ह का प्रयोग किया जाता है।

Scanned with CamScanner

यदि दो संख्याओं में से एक संख्या दूसरी से छोटी है तो पहली संख्या < दूसरी संख्या लिखते है।

इसी प्रकार पहली संख्या दूसरी संख्या से बड़ी होने की स्थिती में पहली संख्या > दूसरी संख्या

Example

(i)	x, y बराबर है	$x = y$
(ii)	x, y से बड़ी है।	$x > y$
(iii)	p, q से छोटी है।	$p < q$

बीजीय व्यंजक ⇒

अंकगणित मे हम अंको के साथ संक्रियाये करते है, जबकि बीजगणित में बीजीय संख्याओ के साथ संक्रिया करते है।

ये बीजीय संख्याएँ a, b, c, p, q, r, x, y, z एवं क, ख, ग आदि ली जा सकती है। इन बीजीय संख्याओ को कोई भी मान दिया जा सकता है।

Continue

Scanned with CamScanner